शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

बाल रचनाकारों द्वारा रचित कविताओं का संकलन

बाल सृजन संसार

(माह - मार्च 2023)

तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
ज्योति सागर, बागपत

मार्गदर्शन
राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

#9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 01/03/2023
367
दिन- बुधवार

बेटी

बेटी सबसे अच्छी है,
बेटी सबसे प्यारी है।
बेटी सबसे न्यारी है,
बेटी सबसे सुन्दर है।।

बेटी घर की लक्ष्मी होती है,
बेटी माँ-बाप का ख्याल रखती है।
बेटी पराया हो जाती है,
बेटी बड़ी होकर जुदा हो जाती है।।

बेटी घर का काम करती है,
बेटी को सब-कुछ आता है।
बेटी सबसे अच्छी होती है,
बेटी घर की रक्षा करती है।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 4)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

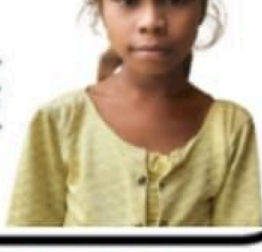

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 02.03.2023

368

दिन- गुरुवार

मेरा स्कूल...

कितना सुन्दर है स्कूल!
रंग-बिरंगे इसके फूल।
फूल सुहाने सबको भाते,
फूल ही जग को हैं महकाते।।

टीचर सबको पाठ पढ़ाते,
नयी-नयी बातें सिखलाते।
टॉफी देकर हमें रिझाते,
फूलों से गिनती करवाते।।

माता देती जीवन-दान,
शिक्षक बनाते इसे महान।
देकर हमको शिक्षा-ज्ञान,
बनता है ये जीवन महान।।

रचना
महेन्द्र यादव (कक्षा- 8)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
वि० क्षे०- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

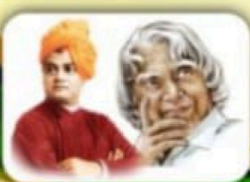

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 03-3-2023 **369** दिन- शुक्रवार

पराया कहते हैं

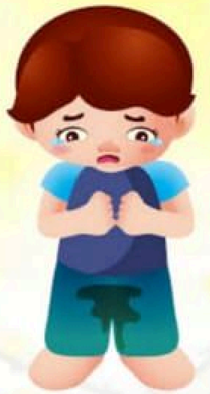

सीने से लगा लो माँ मेरी,
सब लोग पराया कहते हैं।

जब दादा पराया कहते हैं,
मेरे नैना भर-भर जाते हैं।
मैं जितनी कोशिश करती हूँ,
यह आँसू उतने बहते है।।

जब पापा पराया कहते हैं,
तो दिल मेरा डर जाता है।
मैं क्यों पराई होने लगी,
जब हम सब साथ में रहते हैं।।

जब चाचा पराया कहते हैं,
कुछ बात में सच सा दिखता है।
मत दूर करो माँ हृदय से,
मेरे तन-मन दुखड़ा सहते हैं।।

सीने से लगा लो माँ मेरी
सब लोग पराया कहते हैं।।

रचना-
अंजलि केसरवानी (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि० सरैया भाग- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

मेला

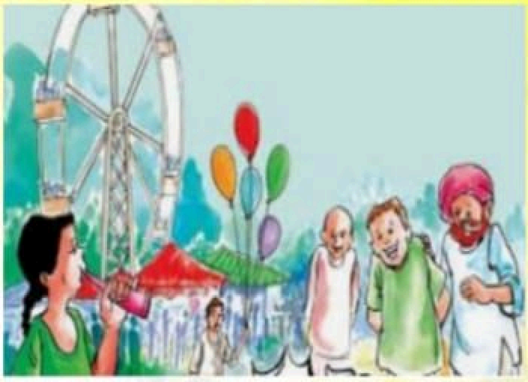

मेले में था शोर सुनायी,
देता था हर ओर कहीं।
दलजीत गया मित्रों के संग में,
सुहेल, रोहन, रीना थी वहीं।।

मेले में जाते ही सबके,
चेहरे खिले खुशी से यों।
मानो वर्षों की मुराद,
हो गयी हो पूरी मन में ज्यों।।

कहीं चूड़ियाँ, कहीं खिलौने,
बर्तन की सजी दुकानें थी।
दलजीत ने गुब्बारे वाली,
चिड़ियाँ ली, दो रुपए की थी।।

रीना ने गुब्बारे वाला,
गदा खरीदा, सोहन ने।
लम्बी दुम वाला बन्दर इक,
बनवाया फिर तब सबने।।

घूमा मेला इधर-उधर जा,
घोड़ा चाभी का लीन्हा।
छोटे भाई के लिए झुनझुना,
रीना ने तब ले लीन्हा।।

रचना
कु० कौशिकी गुप्ता (कक्षा-4)
प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 06-3-2023
371
दिन- सोमवार

समन्दर

समन्दर का पानी खारा,
फिर भी है अन्दाज निराला।
नदियाँ सारी इसमें समाएँ,
फिर भी यह न उफनाएँ।।

दूर तक बस पानी-पानी,
देखने आते इसे सैलानी।
पानी के जहाज इसमें चलते,
अनोखे जीव-जन्तु हैं मिलते।।

रचना-
सचिन कुमार (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

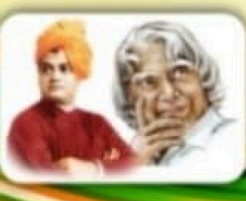

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 07/03/2023 **372** दिन- मंगलवार

बिटिया नहीं पराई

छोटी सी गुड़िया पापा की,
क्यों अब हुई पराई।
होने लगी शादी बिटिया की,
अब तो है लम्बी जुदाई।।

बेटी का छिन गया बचपना,
जिम्मेदारियाँ सिर पर आयी।
भेद-भाव बेटा-बेटी का,
ऐसी दुर्दशा बिटिया की बनायी।।

बाल रूप में हो गयी शादी,
घूँघट की आड़ में आयी।
बेटी तो बन गयी अब बन्दी,
तब बेटी को याद पिता की आयी।।

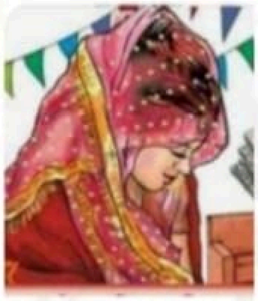

मम्मी-पापा की गुड़िया रानी,
कब से सहती आयी।
अब तो बेटी भरेगी उड़ान,
माता-पिता का करेगी ऊँचा नाम।।

अब तो सब मिलकर कहेंगे,
बिटिया नहीं पराई।।

रचना-
रोली शर्मा (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनिया, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 08.03.2023

373

दिन- बुधवार

तितली रानी

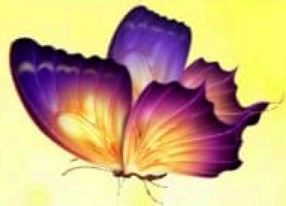

तितली रानी, तितली रानी,
रंग-बिरंगी, बड़ी सयानी।
आओ पास हमारे तितली,
हम तो देंगे गुड़ की धानी।।

मन ही मन हो गाती रहती,
बातें हो फूलों से करती।
इस बगिया की हो तुम रानी,
तितली रानी, तितली रानी।।

रचना

कल्पना (कक्षा- 6)
उ0 प्रा0 वि0- स्योढ़ा
वि0 क्षे0- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

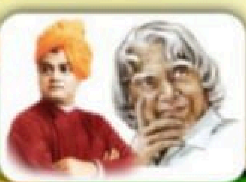

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 09-3-2023

374

दिन- गुरुवार

बेटियाँ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,
बेटियों को अब आगे बढ़ाओ।
मत मारो अब कोख में उनको,
उनको इस दुनिया में लाओ।।

घर-आँगन को महकाती हैं,
खुशियाँ अपार ले आती हैं।
बोझ नहीं है किसी पर बेटी,
अब बुलन्दियाँ आसमान की छूती हैं।

वह है दुर्गा वह है काली,
उनसे है सृष्टि सारी।
बेटियाँ बढ़ाती देश की शान,
हमें उन पर है गर्व और अभिमान।।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,
बेटी का अब मान बढ़ाओ।।

रचना-
भाग्यवती मिश्रा (कक्षा-8)
उ०प्रा० वि० सरैंया भाग-1,
मानिकपुर, चित्रकूट

चाँद (भाग-1)

साबिर, सना, अब्बू-अम्मी संग,
रात को बैठे थे छत पर।
नभ में तभी चाँद को देखा,
देख बहुत खुश हुआ है साबिर।

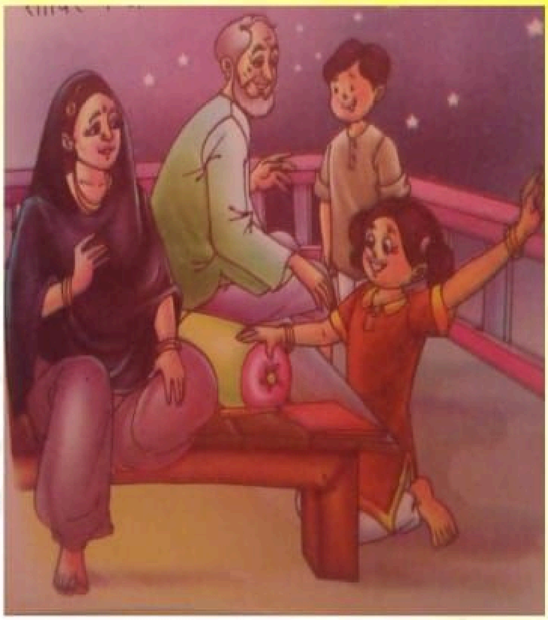

सना से बोला-दीदी देखो,
कैसे चमक रहा है चाँद।
कौन वहाँ पर रहता होगा,
नहीं हवा, पानी तहँ चाँद।।

शायद कल ये है संभव होवे,
चाँद धरा के चारों ओर।
चक्कर लगा रहा है जैसे,
धरती घूमे रवि की ओर।।

चाँद और धरती पाते हैं,
सूरज से प्रकाश हर छण।
सूरज की अपनी है रोशनी,
है ये तारा, समझो मन।।

रचना
कु० कौशिकी गुप्ता (कक्षा-4)
प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

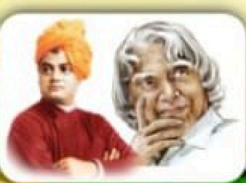

बसन्त ऋतु

बसन्त ऋतु के दिन है आए,
खुशियों को संग हैं लाए।
हरे खेत और हरे खलियान,
चमकते लगते पर्वत बगवान।।

हरी-हरी हरियाली आई,
पेड़ों पर हरियाली आई।
सबके मन में खुशियाँ लाई,
बसन्त ऋतु की फुहार है छाई।।

रंग-बिरंगे फूल खिले हैं,
खेतो में कई रंग मिले हैं।
हरियाली जब खुशहाली लाये,
सबके मन को यह ऋतु भाए।।

रचना-:
कु० आरुषी (कक्षा- 7)
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक-जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 13.03.2023

377

दिन- सोमवार

बाल पहेलियाँ भाग-2

सब्जियों का मैं राजा कहलाता,
हर सब्जी का साथ निभाता।
कार्बोहाइड्रेट की हूँ खान,
बतलाओ तुम मेरा नाम?

लाल-लाल है मेरा रंग,
दाल और सब्जी का संग।
कच्चा या फिर पकाकर खाओ,
जल्दी मेरा नाम बताओ?

सब्जी में तुम मुझको डालो,
चाहे सलाद बनाकर खा लो।
काटो मुझको, रोता हूँ मैं,
कपड़े खूब पहनता हूँ मैं।।

उत्तर-1* 2* 3*

रचना
अनुज जायसवाल (कक्षा 6)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद

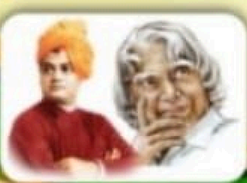

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 14/03/2023 | 378 | दिन- मंगलवार

होली

होली आयी, होली आयी,
नीली-पीली रंग-रंगीली है भाई।
होली आयी, होली आयी,
कितने सारे रंग है लायी।।

होली पर रंग-रंग खेलेंगे,
मिलकर होली मनाएँगे।
गुझिया हम बनाएँगे,
चिप्स, पकौड़े खाएँगे।।

होली साल में एक बार आती है,
होली मार्च में आयी है।
होली आठ तारीख को आयी है,
खुश करके चली जाती है।।

रचना-
नेहा कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

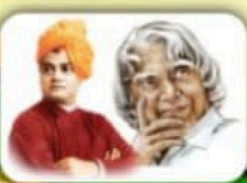

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 15-3-2023 | 379 | दिन- बुधवार

हमको रोज जगाते हैं
(भाग- 1)

सुबह सवेरे सूरज दादा।
हमको रोज जगाते हो।।

तुम लाल रंग में आते हो,
भोर सुहानी लाते हो।
चिड़ियों को चहकाते हो,
उल्लास सभी में भरते हो।।

किरणों की लाली लेकर,
मन में उमंग भर जाते हो।
अलि के मधुर-मधुर गुन्जन से
फूलों के गीत सुनाते हो।।

प्रकृति के अद्भुत दर्शन,
हमको रोज कराते हो।
रंग-बिरंगी दुनिया से,
प्रतिदिन हमको मिलवाते हो।।

सुबह सवेरे सूरज दादा।
हमको रोज जगाते हो।।

रचना-
प्रिंसी (कक्षा-6)
उ०प्रा० वि० सरैंया भाग-1,
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 16-03-2023

380

दिन- गुरुवार

भूखा खरगोश

एक बार की बात सुनो तुम,
एक खरगोश को भूख लगी।
खाना नहीं मिला कई दिन तक,
खाने की थी आस जगी।।

इधर-उधर वह रहा घूमते,
सबसे मदद माँगता था।
किन्तु न कोई खाना देता,
हर कोई उसे डाँटता था।।

एक दिन खाने की तलाश में,
बहुत दूर वह चला गया।
पानी पिया थका सा वह था,
एक पेड़ ढिंग सो गया।।

जैसे ही उसकी आँख खुली तो,
खुद को एक खेत में पाया।
उसमें गाजर बहुत लगी थी,
खायी बहुत चैन तब आया।।

रचना
कु० गौरी गुप्ता (कक्षा-4)
प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

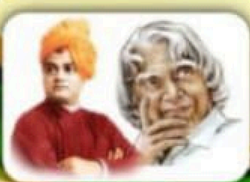

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 17-03-2023

381

दिन- शुक्रवार

सच्ची आजादी

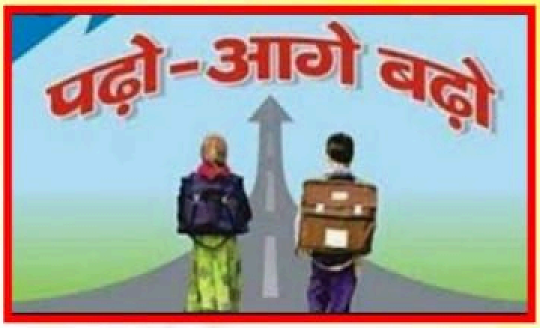

अभी नहीं शादी करनी है,
हमको आगे बढ़ना है।
हमें पढ़ाओ मम्मी-पापा,
हमको जग में कुछ करना है।।

जीवन बार-बार न मिलता,
न मिलती ऐसी काया।
जितना जोड़ो सब लुट जाता,
पड़ो नहीं हो अति माया।।

मेरा जीवन मेरी गाथा,
मेरी रुचि संकल्प मेरा।
फिर क्यों मैं न पढ़ूँ बनूँ कुछ,
इसमें क्या जाता है तेरा।।

सभी पढ़ो समृद्ध बनो,
निज देश का मान बढ़ाओ तुम।
सच्ची आजादी यही होगी,
जो चाहो कर पाओ तुम।।

रचना

नव्या नायक (कक्षा-6)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी

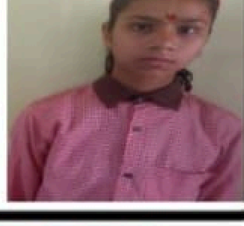

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

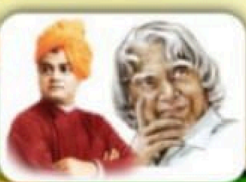

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 18-03-2023

382

दिन- शनिवार

मटका

माटी से मैंने एक मटका बनाया,
उसको पहले आग में तपाया।
फिर उसको कई रंग से सजाया,
मैं फिर उसमें पानी भर लाया।।

मेरा मटका मुझको अच्छा लगता,
इसमें मैं पानी ढ़क कर रखता।
जब मुझको खूब प्यास सतायें,
मटके से ठण्डा पानी मिल जाये।।

रचना-
धर्मवीर (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 20.03.2023
383
दिन- सोमवार

मेरा घर....

कितना सुन्दर मेरा घर!
रहती मैं इसके अन्दर।
बाग-बगीचे वाला घर,
सुन्दर कमरों वाला घर।।

सबको लगता अच्छा घर,
कच्चा हो या पक्का घर।
सर्दी, गर्मी और बारिश से,
हमें बचाता अपना घर।।

बाहर घूमें, खेलें, कूदें,
लौट कर आते वापस हम।
House कहते अंग्रेजी में,
संस्कृत में कहते हैं गृहम्।।

रचना
सोनिका यादव (कक्षा- 6)
उ0 प्रा0 वि0- स्योढ़ा
वि0 क्षे0- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 21/03/2023
384
दिन- मंगलवार

मौसी और मौसा

मौसा आये,
मौसा आये।
मौसी भी आयी,
रोल ,मिट्टन लेकर आयी।।

नानी आयी,
नाना आये।
नानी कॉपी लेकर आयी,
नाना मिठाई लेकर आये।।

मेरी मौसी भी अच्छी हैं,
मेरे मौसा जी अच्छे हैं।
मेरी नानी भी अच्छी हैं,
मेरे नाना भी अच्छे हैं।।

रचना-
मांसी गोड़ (कक्षा- 1)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 22-3-2023
385
दिन- बुधवार

हमको रोज जगाते हैं
(भाग- 2)

सुबह सवेरे सूरज दादा।
हमको रोज जगाते हो।।

फूल पत्तियों पर जब-जब पड़ती,
झिलमिल ओंस की बूँदे।
अपनी लाली को बिखेर कर,
उन्हें साथ ले जाते हो।।

यदि तुम ना होते तो,
न होता ये प्रभात।
कैसी यह दुनिया होती?
समझ न आती बात।।

सर्दी के मौसम में जब,
ठिठुर-ठिठुर हम जाते हैं।
तब अपना आँचल फैला कर
काया को सुख पहुँचा जाते हो।

सबसे पहले आकर के,
नई आशा मन में लाते हो।
कोमल कलियों के होठों पर,
मुस्कान सदा ले आते हो।।

रचना-
प्रिंसी (कक्षा-6)
उ०प्रा० वि० सरैंया भाग-1,
मानिकपुर, चित्रकूट

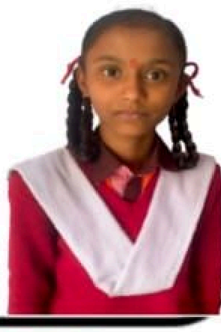

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 23-03-2022
386
दिन- गुरुवार

बाजार की सब्जियाँ

बच्चों! चलो आज बाजार,
घूमें, देखें सब्जीं उस पार।
लौकी, सेम, करेला, कटहल,
तोरी, कद्दू रखें बाजार।।

आलू, पालक, प्याज, टमाटर,
बैंगन, मैथी की भाजी।
सिमला, देशी मिर्च रखी है,
है दुहु ओर लाइन साजी।।

देखो, इनके नाम लिखो तुम,
हम इनके बीज मँगायेंगे।
अलग-अलग शीशी में रखकर,
बच्चों से बुलायेंगे।।

विद्यालय में पंक्तिबद्ध हम,
मेढ बनाकर बोयेंगे।
अंकुर फूटेंगे उनमें तब,
वारि, खाद हम डालेंगे।।

रचना
कौशकी गुप्ता (कक्षा-4)
प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

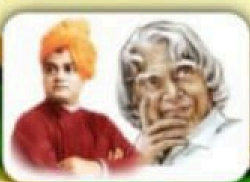

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 24-03-2023

387

दिन- शुक्रवार

सूरज-चाँद

सूरज हमको देता गर्मी,
सदा ऊर्जा भरता है।
तन का सब आलस्य भगाता,
हमें निरोगी रखता है।।

जीवन दाता, सबका रक्षक,
जगत नियन्ता कहलाता।
सृष्टि का कण-कण इससे है,
सबका मन सक्रिय करता।।

चाँद हमें शीतलता देता,
औषधियों को पुष्ट करे।
लाता जलधि ज्वार पूनम को,
सबके उर में तृप्ति भरे।।

रजनी को दे हमें उजाला,
रजनीचर कहलाता है।
तन-मन को कर पुष्ट यही,
चँन्दा मामा कहलाता है।।

रचना
पारुल नायक (कक्षा-6)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

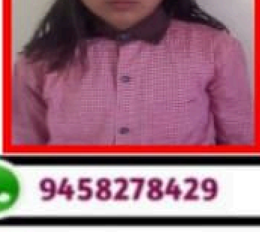

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

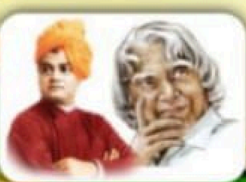

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 25-03-2023 | **388** | दिन- शनिवार

यातायात नियम

जब भी सड़क पर तुम आओ,
यातायात के नियम अपनाओ।
लाल बत्ती कहती रुक जाना,
हरी बताती अब चलते आना।।

पैदल जब सड़क पर जाओ,
फुटपाथ पर चलकर आओ।
सड़क पार जब करना चाहो,
जेब्रा क्रॉसिंग को अपनाओ।।

बाएँ ओर से चले सब साथी,
दाएँ से कार, बस आती।
ट्रैफिक पुलिस करें सहायता सारी,
शराब पीकर न चलाएँ गाड़ी।।

रचना-
नीरज कुमार (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 27.03.2023

389

दिन- सोमवार

होली आयी....

होली आयी, होली आयी,
रंग-बिरंगी होली आयी।
रंग-गुलाल साथ में लायी,
सारे जग में खुशियाँ छायी।।

होली होता है एक पर्व,
होता है हम सबको गर्व।
वर्ष में आती है एक बार,
लाती है खुशियों की बहार।।

सबको रंग लगाते हम,
खूब गुलाल उड़ाते हम।
मिलते हैं सब लोग गले,
गुझिया-पापड़ लगते भले।।

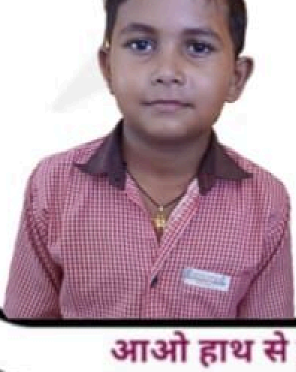

रचना
अनुज जायसवाल (कक्षा 6)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 28/03/2023

390

दिन- मंगलवार

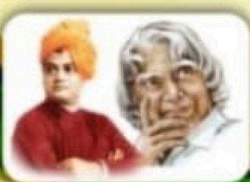

धरती माँ

धरती माँ तू कितनी अच्छी है,
हरी-भरी तू रहती है।
फूलों से तू सजती है,
तू कभी ना हिम्मत हारती है।।

सबको अपनी गोद में रखती है,
धरती पर अन्न उगाते है।
खाकर भूख मिटाते है,
धरती माँ तू कितनी अच्छी है।।

रचना-
आदर्श कुमार (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद

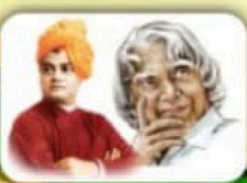

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 29-03-2023 | 391 | दिन- बुधवार

बारिश आई

बारिश आई, बारिश आई,
अपने साथ में पानी लाई।
नाले, नदियाँ सब उफनाऐं,
कल-कल की राग सुनाएँ।।

बारिश में पानी भर जाता,
मैं कागज की नाव बनाता।
नाव को पानी में तैराता,
दौड़ कर उसके पीछे जाता।।

पानी जब जोर से बरसे,
तड़-तड़-तड़ बिजली चमके।
डर कर मैं घर में छिप जाता,
फिर बारिश में बाहर न आता।।

रचना-
सचिन कुमार (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

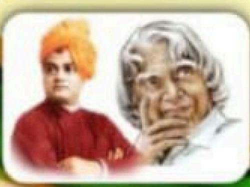

मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार

दिनाँक- 30-03-2023 | 392 | दिन- गुरुवार

पढ़ो और आगे बढ़ो

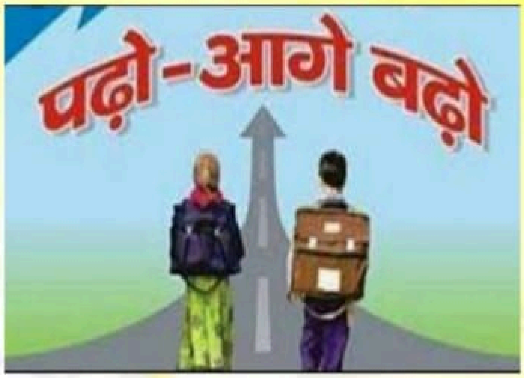

पढो-लिखो सब मेरे साथी,
तुम भविष्य के प्रहरी हो।
देश, धर्म, परिवार तुम्हीं पे,
तुम ऐसी स्वर लहरी हो।।

आगे ही पढ़ते जाना तुम,
स्वच्छता का मान करो।
नाम करो ऊँचा पद पाओ,
उर में साहस अदम्य भरो।।

भाल तुम्हारे पे दमके है,
हीरा रोशन करता है।
गाँव करेगा नाज, बढोगे,
जब तुम हर कोई लखता है।।

इस भूमि पर जन्मे ऋषि-मुनि,
महापुरुष कई यहाँ हुए।
धरती चीर बहा दी गंगा,
खोद स्वर्ण समृद्ध हुए।।

ऐसा ही हमको करना है,
नई खोज, नया निर्माण करो।
मार्ग स्वयं जीवन पथ देगा,
अपने पथ पर सुदृढ रहो।

रचना
नव्या नायक (कक्षा-6)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी

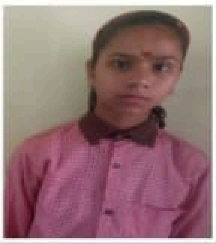

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 31.03.2023

393

दिन- शुक्रवार

तारे...

आसमान के तारे प्यारे,
लगते सबको बहुत निराले।
होती सुबह सभी चुप जाते,
रात में सारे बाहर आते।।

छत पर चढ़कर इन्हें देखते,
काश! हम इनके साथ खेलते।
जगमग-जगमग करते सारे,
आसमान के राजदुलारे।।

चन्दा मामा इन्हें पुकारे,
आओ-आओ, पास हमारे।
दुनिया भर में चमकते तारे,
सबको लगते प्यारे-प्यारे।।

रचना
गोलू जायसवाल (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर